तृतीय अध्याय

शोध की प्रविधि

तृतीय अध्याय

3.1 न्यादर्श का चयन :-

प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता द्वारा न्यादर्श का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया है। बैतूल जिलें के मुलताई क्षेत्र के 9 प्रारंभिक विद्यालयाकें का चयन किया गया है। इन विद्यालयों से ऐसे छात्र-छात्राओं का चयन किया गया जो कक्षा 6th में अध्ययनरत् है। न्यादर्श में कुल 105 विद्यार्थी को लिया गया है। जिसमें 53 छात्र तथा 52 छात्रायें है। अध्ययन के लिए केवल अनुसूचित जनजाति के छात्र का ही चयन किया गया है।

प्रस्तुत शोध कार्य में निम्न चरों का उपयोग किया गया है।

1. सामाजिक आर्थिक स्थिति
2. शैक्षिक उपलब्धि
3. शिक्षक समस्या तथा सुविधा प्रश्नावली
4. विद्यार्थी समस्या प्रश्नावली

3.2 शोध में प्रयुक्त उपकरण :-

शोधकर्ता ने उपयुक्त बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए निम्न उपकरणों का उपयोग किया गया है। लघु शोध प्रबंध का कार्य करते समय वैज्ञानिक विधि से नवीन प्रदत्त को संकलित करने हेतु कुछ मानकीकृत उपकरणों की आवश्यकता पड़ती है। सफल अनुसंधान के लिए उपयुक्त उपकरणों का चयन बहुत महत्वपूर्ण है।

सामाजिक आर्थिक स्तर परिसूची :-

लघु शोध प्रबंध ने छात्र-छात्राओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति ज्ञात करने हेतु डॉ. एस.पी. कुलश्रेष्ठ की सामाजिक आर्थिक स्तर परिसूची (ग्रामीण) का उपयोग किया गया है। डॉ.एस.पी. कुलश्रेष्ठ द्वारा इसका निर्माण 1972 ई.

में किया गया। इसकी दो परिसूची है ग्रामीण और नगरीय आदिवासी क्षेत्र ग्रमीण क्षेत्र में आता है इसलिए ग्रामीण परिसूची का उपयोग किया गया है।

प्रश्न पत्र में 20 प्रश्न है। प्रश्न परिवार और सदस्यों से संबंधित है इस परिक्षण में माता पिता बड़े भाई बहन से संबंधित सूचनाएं मांगी गयी है। इस परिवार में आर्थिक स्तर संबंधी जानकारियों को अनुकूलित किया गया है। जैसे परिवार की मासिक आय कितनी है परिवार में कितने सदस्य है इस प्रकार से प्रश्न पूछे गये है।

शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण :–

लघु शोध प्रबंध में शोधकर्ता द्वारा छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि की जानकारी प्राथमिक परीक्षा कक्षा 5वीं के वार्षिक अंकों के आधार पर लिया गया है।

परीक्षण के लिए जाने बच्चों से सामाजिक आर्थिक स्तर परिसूची को भरवाया गया है उन्हीं बच्चें का वार्षिक विद्यालय परीक्षा का परिणाम के आधार पर लिया गया है।

शिक्षक समस्या तथा सुविधा प्रश्नावली :–

आदिवासी क्षेत्र के शिक्षक की समस्या तथा शाला में प्राप्त सुविधा जानने हेतु से अध्ययकर्ता ने इस प्रश्नावली का निर्माण किया है।

इस प्रश्नपत्र में कुल 25 प्रश्न पूछे गये है। जैसे शाला में ग्रमीण आदिवासी छात्र–छात्राओं के लिए शासन द्वारा कौन सी योजना चलाई जा रही है। उसी प्रकार उनकी भाषा संबंधी समस्या जानने का प्रयास भी अध्ययनकर्ता ने किया है।

आदिवासी क्षेत्र के छात्र–छात्राओं के नामांकन कम होना इसके पीछे का क्या कारण हो सकता है तथा शासन द्वारा नामांकन बढ़ाने हेतु क्या प्रयास

किये जा रहे हैं। विद्यालय भवन, तथा भौतिक सुविधा तथा समस्या जानने का प्रयास अध्ययनकर्ता ने अध्ययन के दौरान किया।

इस प्रश्नावली को मुलताई विकासखंण्ड के नेऊ शाला के शिक्षकों को से यह प्रश्नावली अध्ययन के समय शिक्षकों से भरवाई गई ।

विद्यार्थी समस्या प्रश्नावली –

विद्यार्थी समस्या प्रश्नावली में विद्यार्थी के शाला संबंधी समस्या तथा शाला में प्राप्त सुविधा के आधार पर प्रश्न पूछे गये हैं। इन प्रश्नावली के प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थी कि विविध समस्या क्या हैं। यह जानने का प्रयास अध्ययन के दौरान अध्ययनकर्ता ने किया है।

इस प्रश्नावली में कुल 16 प्रश्न किये गये है और केवल विद्यार्थी के हि समस्या जानने का प्रयास किया है। जैसे कि विद्यार्थी की किस विषय में रूचि है तथा विद्यार्थी कि भाषा संबंधी क्या समस्या है। अध्ययन के लिए गये शालायें ग्रामीण आदिवासी के क्षेत्र से किये गये है। इन छात्रों में मुख्तया भाषा न समझना यह समस्या मुख्यता होती है। इसी प्रकार आदिवासी क्षेत्र में छात्रों को शाला में पहुचंने के लिए क्या शासन द्वारा योजना चल रही है। तथा यह योजना का लाभ ग्रामीण आदिवासी को मिल रहा है या नहीं यह जानने के लिए छात्रों से प्रश्न पूछे गये है।

शिक्षकों ने दिया गया गृहकार्य न करने तथा ग्रामीण बालक शिक्षा के प्रति क्या भूमिका है यह जानना अत्यन्त आवश्यक है। यह जानने हेतु अध्ययकर्ता ने छात्रों की गृहपाठ कि समस्या जानने का प्रयास किया है।

३.३ प्रदत्तों का संकलनः–

लघु शोध प्रबंध में शोधकर्ता ने शोध से संबंधित आकड़ों का संकलन करने के लिए बैतूल जिले के मुलताई क्षेत्र के 9 प्राथमिक विद्यालयों से लिया गया है।

संबंधित प्रदत्त संकलन के लिए कक्षा 6th के अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को बैठाकर आवश्यकक जानकारी दियी गई। उसके बाद सामाजिक आर्थिक परिसूची को समझाया गया उसके साथ विद्यालय में तथा छात्र-छात्राओं से संबंधित समस्या प्रश्नावली भी इसी परिसूची के साथ दी गयी है। उसमें चाही गई जानकारी को भरने के लिए कहा गया। परिसूची में कठिन प्रश्न समझ में नहीं आते थे उनको एक-एक करके समझाया गया जिससे सही जानकारी प्राप्त हो सकें।

3.4 प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधिया :-

शोध प्रबंध में शोध समस्या से संबंधित संकलित प्रदत्तों की सारिणयां बनाई गई उचित परिणाम प्राप्त करने के लिए दो समूह के मध्य सार्थकता को ''टी'' परीक्षण माध्यम से ज्ञात किया गया।

अनुसूचित जनजाति की छात्र छात्राओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धि में किस प्रकार का सहसंबंध है। यह ज्ञात करने के लिए कार्ल पियर्सन सहसंबंध गुणांक का उपयोग किया गया।